लाल द्व्जा लहराए रे जिस घर के ओ शिखरा

लाल द्व्जा लहराए रे जिस घर के ओ शिखरा
सब संकट मिट जाए रे सब संकट मिट जाए रे ओ घर से ओ मित्रा
लाल द्व्जा लहराए रे जिस घर के ओ शिखरा

जिस घर पे ये द्व्जा लहराए
वाहा पे खुशिया ही खुशिया आये
उस घर से मिट जाए रे फिर तंगी का फिकरा
लाल द्व्जा लहराए रे जिस घर के ओ शिखरा

बजरंग बली की ध्वजा निराली
भाग जाग गये जिस ने लगा ली
खूब किरपा बरसाए रे मिट जाए रे फिकरा
लाल द्व्जा लहराए रे जिस घर के ओ शिखरा

अष्ट सीधी नव निधि के दाता
सब पे किरपा खूब लुटाता
शिभु मौज उडाये रे ध्वजा लगा के शिखरा
लाल द्व्जा लहराए रे जिस घर के ओ शिखरा

Source:
https://www.bharattemples.com/laal-dhwja-lehraaye-re-jis-ghar-ke-o-shikhra/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw